चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 22 सितंबर 2026, अंक –363.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

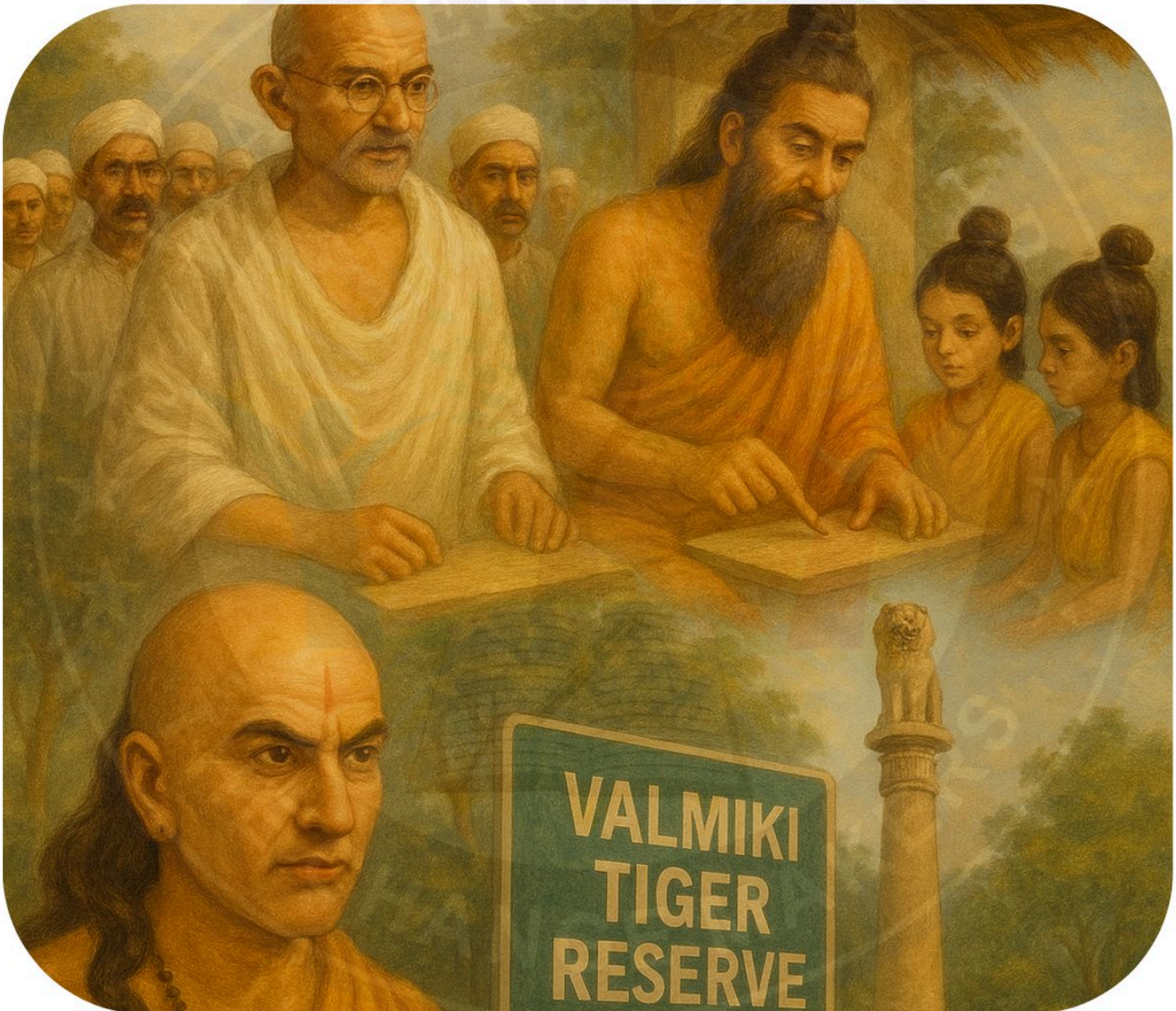

"सत्य की राह कठिन है लेकिन अंत सुखद है।"

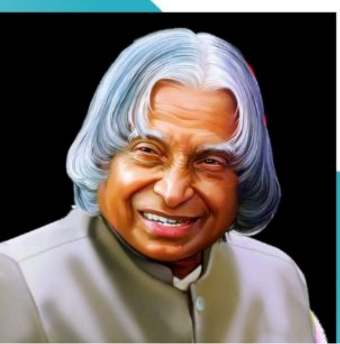

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. लिथुआनिया की राजधानी क्या है?
उत्तर: विल्नियस
प्रश्न 2. भारत का पहला कृत्रिम उपग्रह कौन-सा था?
उत्तर: आर्यभट्ट
प्रश्न 3. 'टिप्पणी' लोकनृत्य शैली किस राज्य से संबंधित है?
उत्तर: गुजरात
प्रश्न 4. 7 का घन कितना होगा?
उत्तर: 343
प्रश्न 5. बिहार का प्रसिद्ध देव सूर्य मंदिर किस जिले में स्थित है?
उत्तर: औरंगाबाद
प्रश्न 6. मछली पानी में साँस लेने के लिए किस अंग का उपयोग करती है?
उत्तर: गलफड़े
प्रश्न 7. एयर-कंडीशनिंग की आधुनिक प्रणाली के विकास से किसका नाम प्रमुख रूप से जुड़ा है?
उत्तर: विलिस कैरियर
प्रश्न 8. भारतीय संविधान में अस्पृश्यता का अंत किस अनुच्छेद में किया गया है?
उत्तर: अनुच्छेद 17
प्रश्न 9. 'जो बिना बुलाए किसी स्थान पर पहुँच जाए' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: अनाहूत
प्रश्न 10. गीले कपड़ों को धूप में फैलाने पर वे जल्दी क्यों सूखते हैं?
उत्तर: वाष्पीकरण

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Singer - सिंगर - गायक / गायिका
2️⃣ Writer - राइटर - लेखक / लेखिका
3️⃣ Poet - पोएट - कवि / कवयित्री
4️⃣ Author - ऑथर - लेखक / लेखिका
5️⃣ Director - डायरेक्टर - निर्देशक
6️⃣ Photographer - फ़ोटोग्राफ़र - छायाकार
7️⃣ Artist - आर्टिस्ट - कलाकार

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: “We are not going to + V1”
(हम ... करने वाले नहीं हैं।)

हम आज बाहर जाने वाले नहीं हैं। – We are not going to go outside today.
हम यह खेल खेलने वाले नहीं हैं। – We are not going to play this game.
हम आज मिठाई खरीदने वाले नहीं हैं। – We are not going to buy sweets today.
हम किसी से झगड़ने वाले नहीं हैं। – We are not going to fight with anyone.
हम अपना समय बर्बाद करने वाले नहीं हैं। – We are not going to waste our time.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

प्र.1. प्रतिवर्ष 22 सितंबर को विश्व स्तर पर सींगों के अवैध शिकार और पर्यावास विनाश से संकटग्रस्त गेंडों की सभी पांच प्रजातियों के संरक्षण हेतु कौन-सा दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: विश्व गैंडा दिवस (World Rhino Day)
व्याख्या: प्रतिवर्ष 22 सितंबर को 'विश्व गैंडा दिवस' (World Rhino Day) मनाया जाता है। इसकी घोषणा 2010 में विश्व वन्यजीव कोष (WWF-दक्षिण अफ्रीका) द्वारा की गई थी। यह दिवस विश्व में पाई जाने वाली गेंडे की सभी पांच प्रजातियों — एक-सींग वाला भारतीय गैंडा, जावन, सुमात्रन, काला और सफेद गैंडा — के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। भारत में एक-सींग वाले गैंडों के संरक्षण हेतु 'राष्ट्रीय राइनो संरक्षण रणनीति' संचालित की जा रही है, जिसके तहत असम के काजीरंगा और मानस तथा पश्चिम बंगाल के जलदापारा में इनकी संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।
संदर्भ: World Wide Fund for Nature (WWF) Global Rhino Programme; Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEFCC);

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत के 'राष्ट्रीय क्वांटम मिशन' (NQM) के अंतर्गत सुरक्षित उपग्रह-आधारित संचार के लिए किस अत्याधुनिक तकनीक का सफल जमीनी-अंतरिक्ष प्रायोगिक परीक्षण किया गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन (Quantum Key Distribution - QKD)
व्याख्या: सितंबर 2026 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने संयुक्त रूप से उपग्रह-आधारित 'क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन' (QKD) तकनीक का सफल परीक्षण किया। यह तकनीक क्वांटम यांत्रिकी के मूलभूत सिद्धांतों (जैसे फोटॉन के सुपरपोजिशन और नो-क्लोनिंग प्रमेय) पर आधारित है। इसके माध्यम से प्रेषित डेटा को बीच में हैक या इंटरसेप्ट करना भौतिकी के नियमों के तहत असंभव होता है। यह सफलता भारत के सामरिक रक्षा संचार, बैंकिंग नेटवर्क और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसंरचना को साइबर हमलों से पूर्ण सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।
संदर्भ: ISRO & DRDO Technical Press Release September 2026;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध सामाजिक उपन्यास है, जिसमें अनमेल विवाह के दर्द, दहेज प्रथा की विभीषिका और एक आभूषण (चंद्रहार) के प्रति मानवीय कमजोरी के त्रासद परिणामों का चित्रण है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: निर्मला (1927)
व्याख्या: 'निर्मला' (1927) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित यथार्थवादी हिंदी उपन्यास परंपरा की एक कालजयी कृति है। यह उपन्यास एक युवा और भोली-भाली लड़की 'निर्मला' के जीवन की त्रासदी पर केंद्रित है, जिसका विवाह दहेज के अभाव में एक अधेड़ उम्र के वकील तोताराम से कर दिया जाता है। उपन्यास में अनमेल विवाह, पारिवारिक कलह, तोताराम के बड़े बेटे मंसाराम पर अनुचित संदेह और सामाजिक संकीर्णता के चलते पूरे परिवार के विनाश का अत्यंत कारुणिक और मर्मस्पर्शी अंकन किया गया है। प्रेमचंद ने इसके माध्यम से तत्कालीन समाज में स्त्री की विवशता और दहेज के अभिशाप पर तीखा प्रहार किया है।
संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — 'निर्मला', हंस प्रकाशन/राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 11 (अंतरा भाग-1 साहित्य संदर्भ);

प्र.4. अत्यधिक कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) उत्सर्जन के कारण समुद्री जल द्वारा अतिरिक्त CO_2 अवशोषित करने से समुद्र के pH मान में होने वाली निरंतर गिरावट की परिघटना को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: महासागरीय अम्लीकरण (Ocean Acidification)
व्याख्या: वायुमंडल में मानवीय गतिविधियों द्वारा उत्सर्जित अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) का लगभग 25 से 30 प्रतिशत भाग वैश्विक महासागरों द्वारा अवशोषित कर लिया जाता है। जब CO_2 समुद्री जल (H_2O) के साथ क्रिया करती है, तो यह कार्बोनिक अम्ल (H_2CO_3) बनाती है, जो वियोजित होकर हाइड्रोजन आयनों (H^+) की सांद्रता बढ़ा देता है और जल के pH मान को घटा देता है। इस प्रक्रिया को 'महासागरीय अम्लीकरण' (Ocean Acidification) कहते हैं। इसके कारण समुद्री जल में कार्बोनेट आयनों की कमी हो जाती है, जिससे प्रवाल भित्तियों (Coral Reefs), घोंघों, सीपियों और प्लवकों के कैल्शियम कार्बोनेट युक्त बाह्य-कंकाल घुलने लगते हैं और समग्र समुद्री खाद्य जाल संकट में पड़ जाता है।
संदर्भ: NCERT Chemistry Class 11, Ch 14 "पर्यावरणीय रसायन", p. 408–412;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान फैजाबाद (अयोध्या) में ब्रिटिश सेना को नाकों चने चबवाने वाले और अंग्रेजों द्वारा 50,000 रुपये का नकद इनाम घोषित किए गए महान विद्रोही नेता कौन थे? (इतिहास)
उत्तर: मौलवी अहमदुल्लाह शाह
व्याख्या: मौलवी अहमदुल्लाह शाह (जिन्हें 'डंका शाह' भी कहा जाता था) 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम के सबसे प्रखर और दुर्जेय नेताओं में से एक थे। मूलतः तमिलनाडु के मद्रास से संबंध रखने वाले मौलवी साहब ने फैजाबाद को अपनी कर्मभूमि बनाया और अवध के किसानों व सैनिकों को ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंकने हेतु संगठित किया। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ कई खुली लड़ाइयां लड़ीं, जिनमें चिनहट का प्रसिद्ध युद्ध शामिल था जहाँ सर हेनरी लॉरेंस की ब्रिटिश सेना को करारी शिकस्त मिली। ब्रिटिश अधिकारी जी. बी. मालेसन ने उनके अदम्य साहस की प्रशंसा करते हुए लिखा था कि वे 1857 के विद्रोह के सच्चे देशभक्त और अद्वितीय रणनीतिकार थे।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत में कर्नाटक के शिमोगा जिले में पश्चिमी घाट की शरावती नदी पर स्थित 253 मीटर की ऊंचाई से गिरने वाला भारत का प्रसिद्ध चार जलप्रपातों (राजा, रानी, रॉकेट, रोअरर) वाला प्रपात कौन-सा है? (भूगोल)

उत्तर: जोग जलप्रपात (गेरसोप्पा / महात्मा गांधी प्रपात)

व्याख्या: जोग जलप्रपात (गेरसोप्पा प्रपात) कर्नाटक राज्य के शिमोगा जिले में पश्चिमी घाट की शरावती नदी पर स्थित भारत के सबसे भव्य और विख्यात जलप्रपातों में से एक है। इसकी कुल ऊंचाई लगभग 253 मीटर (830 फीट) है। यह एक 'खंडित जलप्रपात' (Segmented Waterfall) है, जहाँ शरावती नदी एक खड़ी चट्टानी कगार से नीचे गिरते हुए चार सुस्पष्ट धाराओं में विभाजित हो जाती है, जिन्हें पारंपरिक रूप से 'राजा', 'रोअरर', 'रॉकेट' और 'रानी' कहा जाता है। इस जलप्रपात के आधार पर 'महात्मा गांधी जलविद्युत परियोजना' स्थापित है, जो दक्षिण भारत के शुरुआती बड़े जलविद्युत संयंत्रों में से एक है। मानसून के मौसम में इसका दृश्य अत्यंत विहंगम होता है।

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद संसद को देश में 'नए राज्यों के निर्माण' तथा वर्तमान राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में साधारण बहुमत से परिवर्तन करने की अनन्य शक्ति प्रदान करता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 3 (Article 3)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-I में संघ और उसके राज्यक्षेत्र के अंतर्गत 'अनुच्छेद 3' संसद को यह असाधारण विधायी शक्ति देता है कि वह विधि द्वारा: (क) किसी राज्य में से उसका राज्यक्षेत्र अलग करके या दो या अधिक राज्यों को मिलाकर नया राज्य बना सकती है; (ख) किसी राज्य का क्षेत्र बढ़ा या घटा सकती है; तथा (ग) किसी राज्य की सीमाओं या नाम में परिवर्तन कर सकती है। इस हेतु विधेयक केवल राष्ट्रपति की पूर्व सिफारिश पर ही संसद में प्रस्तुत किया जा सकता है, तथा राष्ट्रपति संबंधित राज्य विधानमंडल को अपने विचार व्यक्त करने हेतु भेजते हैं (यद्यपि संसद राज्य के विचारों को मानने के लिए बाध्य नहीं है)। यह प्रक्रिया साधारण बहुमत से पूरी होती है, जिसके कारण भारत को 'विनाशी राज्यों का अविनाशी संघ' कहा जाता है।

संदर्भ: Constitution of India, Part I, Article 3; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान:

प्र.8. हमारे आमाशय (Stomach) की जठर ग्रंथियों द्वारा स्रावित होने वाला वह कौन-सा तीव्र अम्ल है, जो भोजन के हानिकारक जीवाणुओं को नष्ट करता है तथा पेप्सिन एंजाइम की क्रिया हेतु अम्लीय माध्यम तैयार करता है? (विज्ञान)

उत्तर: हाइड्रोक्लोरिक अम्ल (HCl)

व्याख्या: मानव पाचन तंत्र में आमाशय की भीतरी दीवार पर उपस्थित जठर ग्रंथियों (Gastric Glands) की पैराइटल या ऑक्सिन्टिक कोशिकाओं द्वारा प्रतिदिन तनु 'हाइड्रोक्लोरिक अम्ल' (HCl) का स्राव किया जाता है। आमाशय रस का pH मान लगभग 1.2 से 1.8 तक अत्यधिक अम्लीय होता है। HCl के दो प्रमुख कार्य हैं: (1) यह भोजन के साथ आमाशय में प्रवेश करने वाले हानिकारक बैक्टीरिया और सूक्ष्मजीवों को नष्ट करता है; (2) यह निष्क्रिय पेप्सिनोजेन एंजाइम को सक्रिय 'पेप्सिन' में परिवर्तित करता है, जो प्रोटीनों का पेप्टोन में पाचन शुरू करता है। आमाशय की अपनी नाजुक उपकला झिल्ली को इस सांद्र अम्ल के संक्षारक प्रभाव से बचाने के लिए श्लेष्मा (Mucus) की कोशिकाएं एक सुरक्षात्मक परत बनाए रखती हैं।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 6 "जैव प्रक्रम" (Life Processes - Digestion), p. 108–111;

प्र.9. 11वीं शताब्दी में मध्य प्रदेश के धार के परमार राजा भोज द्वारा निर्मित वह कौन-सा प्रसिद्ध मंदिर है, जो देवी सरस्वती को समर्पित था और जहाँ वाग्देवी की विख्यात पाषाण प्रतिमा स्थापित थी? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: भोजशाला मंदिर (धार)

व्याख्या: भोजशाला मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित एक ऐतिहासिक और पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्मारक है, जिसका निर्माण 11वीं शताब्दी (लगभग 1034 ईस्वी) में परमार वंश के प्रतापी और विद्वान सम्राट राजा भोज ने करवाया था। राजा भोज स्वयं साहित्य, खगोल, व्याकरण और स्थापत्य के महान संरक्षक थे। उन्होंने इसे विद्या और ज्ञान के एक प्रमुख विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित किया था तथा यहाँ ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती (वाग्देवी) की एक अद्वितीय संगमरमर की मूर्ति प्रतिष्ठापित की थी (जो वर्तमान में ब्रिटिश संग्रहालय, लंदन में सुरक्षित है)। इसकी दीवारों पर प्राकृत और संस्कृत में व्याकरण तथा काव्य के अनेक दुर्लभ शिलालेख उत्कीर्ण हैं।

संदर्भ: NCERT History Class 7 (हमारे अतीत-2), Ch 2 "नए राजा और उनके राज्य", p. 18–21;

प्र.10. 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जयप्रकाश नारायण (जेपी) ने बिहार के युवकों को छापामार युद्ध और ब्रिटिश संचार साधनों को ध्वस्त करने का प्रशिक्षण देने हेतु नेपाल के जंगलों में किस गुप्त संगठन की स्थापना की थी? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: आजाद दस्ता (Azad Dasta)

व्याख्या: 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान 9 नवंबर 1942 को दिवाली की रात 'लोकनायक' जयप्रकाश नारायण अपने साथियों (योगेंद्र शुक्ल, रामानंद मिश्र, सूरज नारायण सिंह आदि) के साथ हजारीबाग सेंट्रल जेल की ऊंची दीवार फांदकर फरार हो गए। इसके उपरांत उन्होंने नेपाल के तराई क्षेत्र में स्थित 'बकरा टापू' (राजविलास जंगल) को अपना गुप्त केंद्र बनाया और 'आजाद दस्ता' (Azad Dasta) का गठन किया। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को गुरिल्ला/छापामार युद्ध, हथियारों के संचालन, तथा ब्रिटिश शासन की संचार व्यवस्था (टेलीफोन तार काटना, रेलवे ट्रैक उखाड़ना, डाकघरों को नुकसान पहुंचाना) को पंगु बनाने का प्रशिक्षण देना था। राममनोहर लोहिया इसके रेडियो व प्रचार विभाग के प्रमुख थे।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 9 "राष्ट्रीय आंदोलन का संघटन", p. 121–124;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W3 – भूकंप से खतरे एवं बचाव) के अनुसार भूकंप के मुख्य झटके समाप्त होने के तुरंत बाद आने वाले परवर्ती झटकों (Aftershocks) से क्या खतरे होते हैं और गैस रिसाव या आग लगने की जांच करते समय किस वस्तु का प्रयोग कदापि नहीं करना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: कमजोर इमारतों का ढहना; माचिस, लाइटर या खुली आग का प्रयोग वर्जित

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W3: भूकंप से खतरे एवं बचाव) के अनुसार, बड़े भूकंप के बाद आने वाले पश्च-झटके (Aftershocks) कई दिनों या हफ्तों तक जारी रह सकते हैं: (1) भूकंप के प्राथमिक झटके रुक जाने के बाद तुरंत क्षतिग्रस्त या दरार पड़े पक्के भवनों के भीतर दोबारा प्रवेश न करें, क्योंकि पश्च-झटके कमजोर हो चुकी दीवारों, छतों और छज्जों को पूरी तरह ढहा सकते हैं; (2) भूकंप के तुरंत बाद इमारत से बाहर निकलते समय बिजली का मुख्य स्विच और गैस सिलेंडर का रेगुलेटर तुरंत बंद कर दें; (3) भूकंप के झटके रुकने पर गैस पाइपलाइन टूटने या रिसाव की आशंका रहती है, अतः अंधेरे में कभी भी माचिस, मोमबत्ती, लाइटर या बिजली का स्विच ऑन न करें (चिंगारी से भीषण आग लग सकती है); रोशनी के लिए केवल बैटरी चालित टॉर्च या मोबाइल की फ्लैशलाइट का ही उपयोग करें; (4) यदि

संकेत दें।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module September W3 – "भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी":

प्र.12. 6 घंटियाँ एक साथ बजना शुरू होती हैं और वे क्रमशः 2, 4, 6, 8, 10 और 12 सेकंड के अंतराल पर बजती हैं। बताइए 30 मिनट में वे सभी घंटियाँ एक साथ कुल कितनी बार बजेंगी? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 16 बार

व्याख्या: यह लघुत्तम समापवर्त्य (LCM) पर आधारित एक अत्यंत प्रसिद्ध, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का मानक गणितीय प्रश्न है।

सर्वप्रथम सभी समय अंतरालों (2, 4, 6, 8, 10, 12 सेकंड) का ल.स. (LCM) ज्ञात करते हैं:

अभाज्य गुणनखंड: $2 = 2$, $4 = 2^2$, $6 = 2 * 3$, $8 = 2^3$, $10 = 2 * 5$, $12 = 2^2 * 3$, $LCM = 2^3 * 3 * 5 = 8 * 3 * 5 = 120$ सेकंड।, 120 सेकंड = 120 / 60 = 2 मिनट।, अर्थात, वे सभी घंटियाँ प्रत्येक 2 मिनट के अंतराल पर एक साथ बजती हैं। कुल दिया गया समय = 30 मिनट। 30 मिनट की अवधि में एक साथ बजने की संख्या = 30 / 2 = 15 बार। चूँकि घंटियाँ प्रारंभ में भी एक साथ बजी थीं (0वें मिनट पर), अतः कुल बजने की संख्या = 15 + 1 = 16 बार होगी। अतः 30

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण।

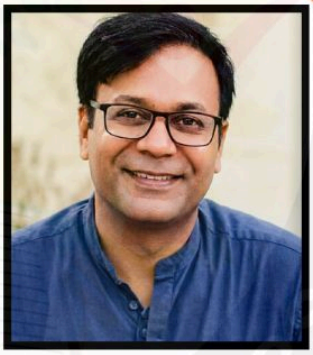

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Astute (अस्ट्यूट) = Shrewd (श्रूड) = चतुर / सूझबूझ वाला / बुद्धिमानी से निर्णय लेने वाला
   Antonym – Naive (नाइवी) = भोला / अनुभवहीन
2. Contrite (कन्ट्राइट) = Remorseful (रिमॉर्सफुल) = पश्चातापी / पछतावे से भरा
   Antonym – Unrepentant (अनरिपेन्टेन्ट) = अपश्चातापी / पछतावा न करने वाला
3. Inept (इनेप्ट) = Incompetent (इनकॉम्पिटेन्ट) = अयोग्य / अकुशल
   Antonym – Competent (कॉम्पिटेन्ट) = सक्षम / योग्य
4. Magnanimous (मैग्नैनिमस) = Generous (जेनरस) = उदार / बड़े दिल वाला
   Antonym – Petty (पेटी) = संकीर्ण सोच वाला / तुच्छ
5. Precarious (प्रिकेरियस) = Risky (रिस्की) = जोखिमपूर्ण / अस्थिर
   Antonym – Secure (सिक्योर) = सुरक्षित / स्थिर

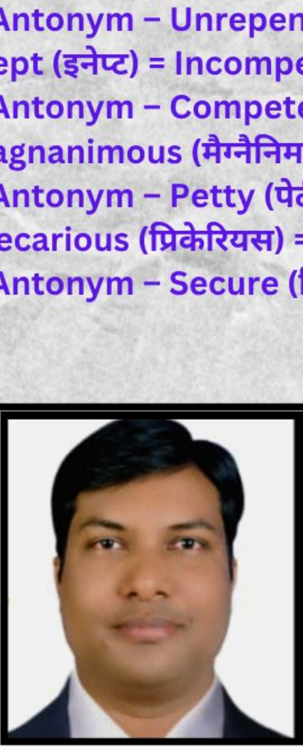

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

EPFO wage ceiling enhancement from ₹15,000 to ₹25,000 comes into effect from September 17 (Sewa Divas); benefits 30 lakh workers
हिन्दी अनुवाद: EPFO वेतन सीमा 15,000 से 25,000 रुपये बढ़ाना 17 सितंबर (सेवा दिवस) से प्रभावी; 30 लाख श्रमिक लाभान्वित होंगे।�
कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) की वेतन सीमा को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रति माह करने का निर्णय 17 सितंबर 2026 (लाल बहादुर शास्त्री की जयंती, सेवा दिवस) से प्रभावी हो गया। इससे लगभग 30 लाख अतिरिक्त श्रमिकों को EPFO का लाभ मिलेगा और उनका पेंशन कवरेज बढ़ेगा। यह निर्णय श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करेगा। UPSC/BPSC के लिए: EPFO — कर्मचारी भविष्य निधि संगठन; EPS — कर्मचारी पेंशन योजना; NPS — राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली।

Ministry of Petroleum issues operational guidelines for GOBARdhan scheme; boosts Compressed Biogas (CBG) sector with six components
हिन्दी अनुवाद: पेट्रोलियम मंत्रालय ने GOBARdhan योजना के लिए परिचालन दिशानिर्देश जारी किए; छह घटकों के साथ संपीड़ित बायोगैस (CBG) क्षेत्र को बढ़ावा।�
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने GOBARdhan (Galvanizing Organic Bio-Agro Resources Dhan) योजना के लिए परिचालन दिशानिर्देश जारी किए हैं जो भारत के संपीड़ित बायोगैस (CBG) क्षेत्र को बढ़ावा देंगे। इसमें छह घटक शामिल हैं: CBG ऑफटेक आश्वासन, मूल्य निर्धारण ढांचा, पूंजी सहायता, पाइपलाइन बुनियादी ढांचा, ऋण गारंटी समर्थन और CBG पारिस्थितिकी तंत्र चुनौती फंड। UPSC/BPSC के लिए: GOBARdhan — गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन; CBG — संपीड़ित बायोगैस; Swachh Bharat Mission — स्वच्छ भारत मिशन।

Six children drown in floodwaters in Bihar's Bhagalpur; total affected rises to 40.72 lakh across 16 districts
हिन्दी अनुवाद: बिहार के भागलपुर में बाढ़ के पानी में छह बच्चों की डूबने से मौत; 16 जिलों में कुल प्रभावित 40.72 लाख तक पहुंचा।�
भागलपुर जिले के सुल्तानगंज ब्लॉक में बाढ़ के पानी में नहाते समय छह बच्चों की डूबने से मौत हो गई। यह घटना तरेता गांव के पास एक गैस गोदाम के पास हुई। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार 20 सितंबर तक 16 जिलों के 88 ब्लॉकों में 676 ग्राम पंचायतों में 40.72 लाख लोग प्रभावित हैं। CM सम्राट चौधरी ने एक महीने का वेतन राहत कोष में दान किया। UPSC/BPSC के लिए: SDMA — राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण; NDRF/SDRF — राष्ट्रीय/राज्य आपदा मोचन बल; CM Relief Fund — मुख्यमंत्री राहत कोष।

INTERNATIONAL NEWS

International Day of Peace 2026: UN Secretary-General Guterres calls to 'Invest in Peace: For Everyone, Everywhere, Every Day'
हिन्दी अनुवाद: अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस 2026: UN महासचिव गुटेरेस ने 'शांति में निवेश करें: सभी के लिए, हर जगह, हर दिन' का आह्वान किया।�
21 सितंबर को मनाए गए अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस की थीम — "Invest in Peace: For Everyone, Everywhere, Every Day" है। UN महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि इसके लिए सक्रिय निवेश और राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। यह दिवस 1981 में UN महासभा द्वारा स्थापित किया गया था। UPSC/BPSC के लिए: International Day of Peace — 21 सितंबर; UNGA — संयुक्त राष्ट्र महासभा; UN Charter — संयुक्त राष्ट्र चार्टर।

Iran warns US against new strikes; says it has intelligence of planned attack by US and allies
हिन्दी अनुवाद: ईरान ने US को नए हमलों से चेतावनी दी; कहा — US और सहयोगियों द्वारा योजनाबद्ध हमले की जानकारी है।�
ईरान ने सोमवार को संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा किसी भी बड़े नए हमले के खिलाफ चेतावनी दी, यह कहते हुए कि उसे ऐसे कदम की तैयारी की जानकारी है। ईरान के सैन्य अधिकारियों ने कहा कि यदि US हमले करता है तो मध्य पूर्व में US ठिकानों पर "दर्दनाक" जवाबी कार्रवाई की जाएगी। Trump ने कहा कि वे ईरान के राष्ट्रपति पेज़ेशकियन से UNGA के दौरान मिलने के लिए "खुले" हैं। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; JCPOA — 2015 का ईरान परमाणु समझौता; GCC — खाड़ी सहयोग परिषद।

Trump to hold talks with GCC leaders, Iraq and Jordan at UNGA; focuses on Iran war and postwar strategy
हिन्दी अनुवाद: ट्रम्प UNGA में GCC नेताओं, इराक और जॉर्डन से वार्ता करेंगे; ईरान युद्ध और युद्ध के बाद की रणनीति पर ध्यान।�
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के मार्जिन पर खाड़ी सहयोग परिषद (GCC) के नेताओं, इराक और जॉर्डन से ईरान युद्ध और युद्ध के बाद की रणनीति पर चर्चा करेंगे। बैठक में US के प्रस्तावों पर चर्चा होगी जो नवंबर में US मध्यवधि चुनावों के बाद अंतिम रूप दिया जाएगा। सऊदी अरब, UAE, कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान के नेता शामिल होंगे। UPSC/BPSC के लिए: GCC — खाड़ी सहयोग परिषद; UNGA — संयुक्त राष्ट्र महासभा; Iran nuclear deal — ईरान परमाणु समझौता।

BIHAR NEWS

Bihar floods: 40.72 lakh affected across 16 districts; six children drown in Bhagalpur floodwaters
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: 16 जिलों में 40.72 लाख प्रभावित; भागलपुर में बाढ़ के पानी में छह बच्चों की डूबने से मौत।�
बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। 16 जिलों के 88 ब्लॉकों में 676 ग्राम पंचायतों में 40.72 लाख लोग प्रभावित हैं। भागलपुर के सुल्तानगंज ब्लॉक में छह बच्चों की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई। गंगा, गंडक, कोसी, बुरही गंडक, पुनपुन, बागमती और घाघरा नदियां विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। UPSC/BPSC के लिए: CWC — केंद्रीय जल आयोग; HFL — Highest Flood Level; NDRF/SDRF — राष्ट्रीय/राज्य आपदा मोचन बल।

Tejashwi Yadav slams BJP over PM Modi's birthday celebrations; demands ₹15,000 for flood- and drought-hit farmers
हिन्दी अनुवाद: तेजस्वी यादव ने PM मोदी के जन्मदिन समारोह पर BJP पर निशाना साधा; बाढ़ और सूखा प्रभावित किसानों के लिए 15,000 रुपये की मांग।�
RJD नेता तेजस्वी यादव ने बिहार में बाढ़ से 45 लाख से अधिक लोगों के प्रभावित होने के बीच PM मोदी के जन्मदिन पर "दिया-बाती" समारोह पर खर्च की आलोचना की। उन्होंने मांग की कि केंद्र और राज्य सरकार तुरंत बाढ़ और सूखा प्रभावित किसानों को कम से कम 15,000 रुपये दें और राज्य में स्थिति को राष्ट्रीय आपदा घोषित करें। UPSC/BPSC के लिए: NDMA — राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण; PM CARES Fund — PM केयर फंड; NDA — राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन।

SPORTS NEWS

Asian Games 2026 Day 2: India wins 4 medals (2 silver, 2 bronze) in shooting and MMA; total tally reaches 6
हिन्दी अनुवाद: एशियाई खेल 2026 दिन 2: भारत ने शूटिंग और MMA में 4 पदक (2 रजत, 2 कांस्य) जीते; कुल पदक संख्या 6 पहुंची।�
नागोया, जापान में एशियाई खेल 2026 के दूसरे दिन भारत ने चार पदक जीते। हिमांशु ढिलन ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में रजत और रुद्रांक्ष पाटिल ने कांस्य जीता। टीम इवेंट में रुद्रांक्ष पाटिल, हिमांशु ढिलन और पार्थ माने ने रजत जीता। MMA में सुचिका तारियाल ने कांस्य पदक जीता। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games — एशियाई खेल, चार साल में एक बार; ISSF — अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट्स महासंघ; IMMAF — अंतरराष्ट्रीय MMA महासंघ।

Women's Cricket: India to face Sri Lanka in Asian Games final on September 23; seeks first gold medal
हिन्दी अनुवाद: महिला क्रिकेट: भारत का सामना 23 सितंबर को एशियाई खेल फाइनल में श्रीलंका से; पहला स्वर्ण पदक जीतने का लक्ष्य।�
हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेल 2026 के सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। शफाली वर्मा ने शानदार शतक लगाया। भारत ने 2014 और 2022 में कांस्य पदक जीता था और इस बार स्वर्ण का लक्ष्य है। फाइनल 23 सितंबर को होगा। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games — एशियाई खेल; T20I — Twenty20 International; BCCI — भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

🌱 "शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सम्मान की उपस्थिति है ।

प्रेरक प्रसंग

संगति का असर

गोपाल एक समझदार और होनहार बालक था, लेकिन कुछ समय से उसकी संगति बदल गई थी। नए दोस्तों के साथ वह दिनभर खेल-कूद और व्यर्थ की बातों में समय बिताने लगा। पढ़ाई छूटती गई और आदतें बिगड़ने लगीं। माता-पिता जब भी उसे समझाते, तो उसे उनकी बातें रोक-टोक लगतीं।

एक दिन पिताजी ने प्यार से मगर दृढ़ता से समझाया, “बेटा, संगति हमेशा सोच-समझकर चुननी चाहिए।” यह सुनकर गोपाल नाराज़ हो गया और चुपचाप पार्क में जाकर एक कोने में बैठ गया।

शाम ढलने लगी थी। घर से दूर बैठकर उसे अकेलापन और डर लगने लगा। तभी उसके शिक्षक वहाँ से गुजरे। गोपाल को उदास देखकर वे उसके पास आए और प्यार से उसके सिर पर हाथ रखकर पूछा, “क्या बात है बेटा?”
गोपाल ने मन की पूरी बात कह दी।

शिक्षक ने मुस्कुराकर समझाया, “गोपाल, मिट्टी के कोरे घड़े को फूलों के पास रखो, तो उसमें से भीनी-भीनी सुगंध आने लगती है। उसे किसी गंदी जगह रख दो, तो उसमें दुर्गंध बस जाती है। संगति का असर भी ठीक ऐसा ही होता है। अच्छे दोस्तों का साथ हमें बेहतर बनाता है, जबकि गलत संगति हमारी अच्छी आदतों को भी बिगाड़ देती है। माता-पिता बस तुम्हें सही दिशा दिखाना चाहते हैं।”
शिक्षक की बात सीधे गोपाल के दिल में उतर गई। उसे अपनी भूल समझ आ गई। वह तुरंत दौड़कर घर पहुँचा और माँ-पिताजी से अपनी गलती के लिए क्षमा मांगी।
सीख: अच्छे और सच्चे मित्र हमेशा हमें सही राह दिखाते हैं। इसलिए सदा अच्छी संगति चुनिए।

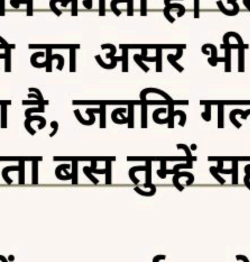

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

सोचो... समझो... हल करो...

5	3			7				
6			1	9	5			
	9	8					6	
8				6				3
4			8		3			1
7					2		6	
	6					2	8	
	2	8		4	1	9		
	7			5			1	6

आज का विचार

"जहाँ चाह,
वहाँ राह;
मेहनत करने वालों
की कभी हार नहीं होती।"
— डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

नियम

- 1 से 9 तक के अंक (संख्या) का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति (Row) में 1 से 9 तक के सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक स्तम्भ (Column) में 1 से 9 तक के सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1 से 9 तक के सभी अंक एक-एक बार आएँ।

याद रखें

कोई भी अंक एक ही पंक्ति, स्तम्भ या 3×3 बॉक्स में दोबारा नहीं आना चाहिए।

उत्तर (Solved सु-डु-कु)

5	3	4	6	7	8	9	1	2
6	7	2	1	9	5	3	4	8
1	9	8	3	4	2	5	6	7
8	5	9	7	6	1	4	2	3
4	2	6	8	5	3	7	9	1
7	1	3	9	2	4	8	5	6
9	6	1	5	3	7	2	8	4
2	8	7	4	1	9	6	3	5
3	4	5	2	8	6	1	7	9

हर दिन नया ज्ञान, हर दिन नई चुनौती!

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 2, श्लोक 47
कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥

सरल हिन्दी अर्थ:
तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने में है, उसके फलों में कभी नहीं। इसलिए कर्म के फल की चिंता को अपना उद्देश्य मत बनाओ, और न ही कर्म न करने (आलस्य या पलायन) में तुम्हारी आसक्ति हो।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ
श्रीकृष्ण यहाँ निष्क्रियता नहीं, बल्कि मानसिक स्वतंत्रता का सिद्धांत सिखा रहे हैं। जब मन परिणाम पर अटक जाता है, तो वर्तमान कार्य से ध्यान भटक जाता है और तनाव जन्म लेता है।

- कंट्रोल और अनकंट्रोल का अंतर: जीवन में दो चीजें होती हैं—एक जो हमारे वश में है (हमारी तैयारी, मेहनत, नीयत) और दूसरी जो हमारे वश में नहीं है (बाज़ार की स्थिति, दूसरों का दृष्टिकोण, अंतिम परिणाम)। यह श्लोक कहता है कि जो आपके हाथ में है, पूरी ऊर्जा उसी में लगाएँ।
- परिणाम से अलगाव का अर्थ लक्ष्यहीनता नहीं: इसका अर्थ यह नहीं कि बिना लक्ष्य के काम करें। लक्ष्य तय करें, पर काम करते समय पूरा फोकस प्रक्रिया (Process) पर रखें, न कि परिणाम के खौफ या लालच पर।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर
बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेररक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026
बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण● बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रवाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो ● जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

> सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

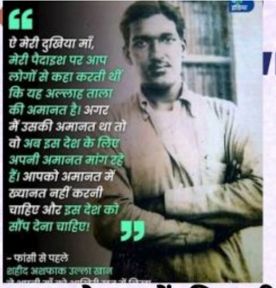

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-8

अमर सेनानी: अशफ़ाक़ उल्ला खाँ

प्यारे बच्चों, पिछली कहानी में आपने पंडित राम प्रसाद 'बिस्मिल' की वीरता और उनके देशभक्ति गीतों के बारे में पढ़ा था। आज हम बिस्मिल जी के सबसे प्यारे मित्र, भाई और भारत माता के एक ऐसे निडर सपूत की दास्तान सुनेंगे, जिन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता और देशप्रेम की अमर मिसाल कायम की। वे हैं अमर शहीद अशफ़ाक़ उल्ला खाँ। उनका जन्म 22 अक्टूबर 1900 को उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक नगर शाहजहाँपुर के एक प्रतिष्ठित और संपन्न पठान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम मोहम्मद शफ़ीक़ उल्ला खाँ था, जो पुलिस विभाग में एक उच्च अधिकारी थे। उनकी माता का नाम मजहूरुन्निसा बेगम था, जो अत्यंत दयालु, संस्कारी, स्वाभिमानी और ममता की मूरत थीं। चार भाइयों में सबसे छोटे होने के कारण नन्हे अशफ़ाक़ पूरे घर के लाडले थे।

नन्हे अशफ़ाक़ बचपन से ही बहुत फुर्तीले, हँसमुख और साहसी स्वभाव के थे। उन्हें तैरने, तेज़ घुड़सवारी करने और बंदूक से अचूक निशाना लगाने का बहुत शौक था। उनका शरीर एक पहलवान की तरह सुगठित और बलिष्ठ था। वे उर्दू और फ़ारसी भाषा के बहुत अच्छे जानकार थे और 'वारसी' व 'हसरत' उपनाम से बड़ी भावुक शायरी लिखते थे। जब 1921 में महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन शुरू किया, तो नन्हे अशफ़ाक़ का दिल भी देश को आज़ाद कराने के लिए मचल उठा। जब उन्हें पता चला कि उनके ही शहर के राम प्रसाद 'बिस्मिल' एक बड़े क्रांतिकारी हैं, तो वे उनसे मिलने दौड़ पड़े। शुरुआत में बिस्मिल जी ने उन्हें एक आम नौजवान समझा, पर अशफ़ाक़ का सच्चा देशप्रेम देखकर वे इतने प्रभावित हुए कि दोनों एक-दूसरे के अभिन्न मित्र और आत्मा बन गए।

अशफ़ाक़ उल्ला खाँ 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' के एक प्रमुख स्तंभ बने। जब क्रांतिकारियों ने हथियारों के लिए अंग्रेज़ी खजाने को जब्त करने की योजना बनाई, तो 9 अगस्त 1925 को लखनऊ के पास ऐतिहासिक 'काकोरी ट्रेन एक्शन' हुआ। इस साहसिक अभियान में अशफ़ाक़ ने अपने भारी-भरकम शरीर और अदम्य बल से लोहे की मजबूत तिजोरी को तोड़कर अंग्रेज़ी सरकार का खजाना निकाल लिया। जब अंग्रेज़ पुलिस ने क्रांतिकारियों की धरपकड़ शुरू की, तो अशफ़ाक़ चकमा देकर बनारस, बिहार और फिर दिल्ली पहुँच गए। वे देश के बाहर जाकर आज़ादी की लड़ाई को जारी रखना चाहते थे, परंतु दिल्ली में एक साथी के विश्वासघात के कारण पुलिस ने उन्हें धोखे से गिरफ्तार कर लिया।

जेल में अंग्रेज़ अफसरों ने अशफ़ाक़ को लालच देते हुए कहा, "तुम मुस्लिम हो और बिस्मिल हिंदू है, तुम उसके खिलाफ सरकारी गवाह बन जाओ, हम तुम्हें ढेर सारा धन और सरकारी नौकरी देकर रिहा कर देंगे।" यह सुनकर वीर अशफ़ाक़ की आँखें अंगारे जैसी लाल हो गईं। उन्होंने सीना तानकर गरजते हुए अंग्रेज़ अफसर से कहा, "तुम फूट डालकर राज करने वाले अंग्रेज़ कभी हमारी दोस्ती और देशप्रेम को नहीं समझ सकते! पंडित राम प्रसाद मेरा भाई है और भारत मेरी माँ है। मैं अपनी मातृभूमि और अपने भाई के साथ गद्दारी करने के बजाय हँसते-हँसते फाँसी पर लटकना पसंद करूँगा।"

19 दिसंबर 1927 को फैज़ाबाद (अयोध्या) की जेल में जब उन्हें फाँसी के तख्ते पर ले जाया गया, तो उन्होंने अपने गले में कुरान शरीफ़ लटका रखा था। वे मुस्कुराते हुए फाँसी के फंदे की ओर बढ़े और उसे चूमते हुए कहा, "मेरे हाथ कभी किसी बेगुनाह के खून से नहीं रंगे, मेरा देश आज़ाद होकर रहेगा।" प्यारे बच्चों, अशफ़ाक़ उल्ला खाँ का पावन जीवन हमें सिखाता है कि जाति-धर्म के भेद से ऊपर उठकर सच्चा भाईचारा निभाओ, लालच को ठोकर मारो और अपनी भारत माता के गौरव के लिए सदैव निस्वार्थ भाव से समर्पित रहो।

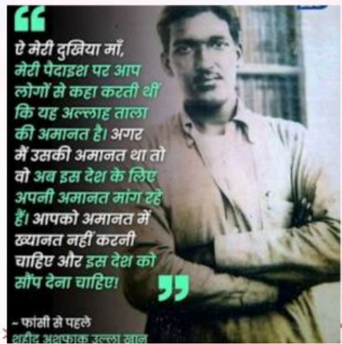

............✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org